श्री गुरु दिक्षा मंत्र

श्री गणेशाय नमः

श्री स्वामी समर्थाय नमः

ॐ नमो आदेश गुरु को

ॐ भूः भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि

धियो यो नः प्रचोदयात्

ॐ कुम कुम कुम कुमात कुम कुम कुम

सारली पाटी भरली वाटी दुःखाचा डोंगर गळाला साफ

सुखाचा डोंगर भरला माठ

आई भर दे माँग लक्ष्मी माय की

करदे बारीश सर सर सर विश्वात सार

रोगों का खुमका रहे फकत

दवा और दुवा का सांधा मारे फकत

साई माई आई बाई करो इस जीवन की सिद्धाई

स्वामी तुम देवों के महादेव पातालसे उठा के स्वर्ग मे ठेव

मिट्टी की धुलकरके फुलसारे विश्व को कराके भुल

गोलात गोलरहेंगे गोलभारी खजाना दिखावे झोल

स्वामी आई तेरी माई करे कमालदेखे धमाल

सारे दुख का भंडार दिखावे सुख का भर भांडार

लेके कंधे पे बालक को सहन करे भार

दिखावे सूर्य का सार लेके छाता करे संभाल

स्वामी माई तुही सद्गुरु गुरु में गुरु सद्गुरु में सद्गुरु

आई आई आई संग चलपिता माई पिता माई पिता माई

चखवाके पार ब्रह्मरुपी मलाई स्वामी तुम विद्या को सरसाई

करो इस भक्त की भलाई

स्वामी माई करो भलाई
स्वामी माई करो भलाई
स्वामी माई करा भलाई
ऐसे कहकई विश्व में लगाई तुम बिन न कोई सहाई
झुलाके खेत इस भगत का जीवन फलफुलादे माया करे सावन
चरणरज की धुलले करे माथे पे टिका
करे भाग्यवान दुष्ट नजन को करे फिका
सहारा लेके शिव शक्ति का लांघले सेतु इस भक्ति का
कान मे देके पुकार दुर करे माया का बुखार
चारो पुरुषार्थ बने दिवार स्वामी तुम भक्त के जीवन मे करो लिलार
करके सोना हनुमान की आन शिवशक्ती देंगे तुझे भक्ति की भान
जय हो जय हो जय हो स्वामीजी तुम्हारी जय हो
रिपु को मार सुंघाके हिना की धार
ॐ दत्तात्रेयाय विद्महे परमहंसाय धिमही तन्नो स्वामी प्रचोदयात
ॐ चल चल चल गुरु स्वामी तु चल
हल हल हल दु:ख माया को हल
स्वामी तुही माई करदे इस भक्त की भलाई
स्वामीजी तुम पे है विश्वास जैसे रामचंद्र को सिता की आस
क्रिडा कर कृष्ण रुक्मिणी को भाया सत्य कर्म करे धर्म ने समझाया
गणेश जी की छाया काली की माया
विष्णु ने सवारा जीवन पार लगाया
शिवशक्ति का मिलाप जीवन करे अमर
स्वामी साई का विश्वास प्रगट करे सादर
दुहाई हो दुहाई हो दुहाई हो
स्वामी साई मात्रा को प्रणाम
अंकुर करे जीवन फुला के पौधा धनवान बना दे पुरा करे सौदा
स्वामी साई के चरण की धुलले जीवन करे महान
खुष करे जगत को लेके माई की आन

भिऊ नकोस मी तुझ्या पाठीशी आहे

अशी स्वामींची साद

सवांरे मेरे जीवन को लेके साई का हाथ

फुरो मंत्र ईश्वरी वाचा सत्यनाम आदेश गुरु का

फरमान रहे प्रज्ञापूर स्वामी का

ॐ अत्रिपुत्राय विद्‌महे अनुसूया नंदनाय धिमही तन्नो दत्त प्रच्योदयात

ॐस्वामी ॐस्वामी ॐस्वामी

हरी ॐ तस्तत